



वर्तमान समय में पतंजलि योगसूत्र की प्रासंगिकता

ममता पंत, शोध छात्रा

शोध सार

महर्षि पतंजलि ने अपने योग सूत्रों में सामंजस्य और समग्रता का मौलिक सृजन किया है। वह वेदों की ऋचाओं, उपनिषदों की श्रुतियों के दृष्टा की भांति क्रान्तिदर्शी प्रतीत होते हैं। महर्षि पतंजलि ने अनुभूतियों और उपलब्धियों की सर्वांगीण अभिव्यक्ति योग सूत्रों के माध्यम से दी है। महर्षि पतंजलि की दार्शनिक प्रणाली इसी सौंदर्य के कारण दर्शनीय है क्योंकि इसमें किसी प्रणाली अथवा उसमें निहित तत्वों की न तो अवहेलना है न ही उपेक्षा। प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य पतंजलि योग सूत्र में वर्णित चित्त प्रसाधन के वास्तविक एवं वैज्ञानिक स्वरूप को अवगत कराना है आधुनिक समय में जीवन के रहस्यों को समझने में तथा योगसूत्र के माध्यम से जीवन की जटिल समस्याओं के समाधान हेतु योग सूत्र की उपादेयता का वर्णन किया गया है। महर्षि पतंजलि के सूत्रों द्वारा जीवन की समस्याओं का समाधान प्राप्त होता है इसका एक एक सूत्र मानव जीवन के लक्ष्यों को पूर्ण करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान करता है जिससे मन शरीर और आत्मा में सामंजस्य स्थापित होता है। मात्र प्रथम मंत्र अथ योगानुशासन द्वारा ही पतंजलि योग सूत्र मनुष्य की सभी समस्याओं का समाधान करने का सामर्थ्य रखता है इसका एक एक शब्द ईश्वर की वाणी है, एक एक शब्द अमृत की बूंद समान है।

